4 दैनिक जागरण देहरादून, 10 सितंबर, 2021

गढ़वाल जागरण

अभियान चलाकर साफ किए पेयजल स्रोत

गढ़वाल केंद्रीय विवि भूगोल विभाग की अभिनव पहल, ग्रामीण महिलाओं के सहयोग से किया पौधारोपण

हिमालय दिवस

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: हिमालय दिवस को लेकर ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता लाने को लेकर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से अभिनव पहल की गयी। विवि भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. महावीर सिंह नेगी और प्रो. मोहन सिंह पंवार के दिशा निर्देशन में विभिन्न गांवों में ग्रामीण महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम चलाने के साथ ही पानी के धारों की सफाई और गांवों के आंतरिक मार्गों की सफाई स्वच्छता का अभियान भी चलाया गया।

विवि भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. महावीर सिंह नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय के भूगोल विषय में लगभग 200 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। कोविड महामारी के कारण यह सभी छात्र-छात्राएं अभी अपने-अपने घरों पर ही हैं। इस अभियान गुरुवार को उन्हें भी जोड़ा गया और इन सभी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने घरों के पास एक-एक पौध लगाकर उसके संरक्षण का भी संकल्प लिया। गढ़वाल केंद्रीय विवि भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. महावीर सिंह नेगी ने कहा कि जखोली ब्लाक के कपड़िया गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजेश्वरी राणा के नेतृत्व में पानी के धारे की सफाई, धारे के समीपवर्ती क्षेत्रों में जल संरक्षण के अनुरूप पौधों का रोपण और गांव के आंतरिक मार्गों की सफाई के अभियान को चलाते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बक्सीर बांगर गांव में शारदा बहुगुणा के नेतृत्व में यह अभियान चला। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी जारी रहेगा।

जखोली के कपड़िया गांव में गढ़वाल विवि के भूगोल विभाग की पहल पर पौधारोपण और पानी के धारे की सफाई स्वच्छता अभियान में सहभागिता करती ग्रामीण महिलाएं • जागरण

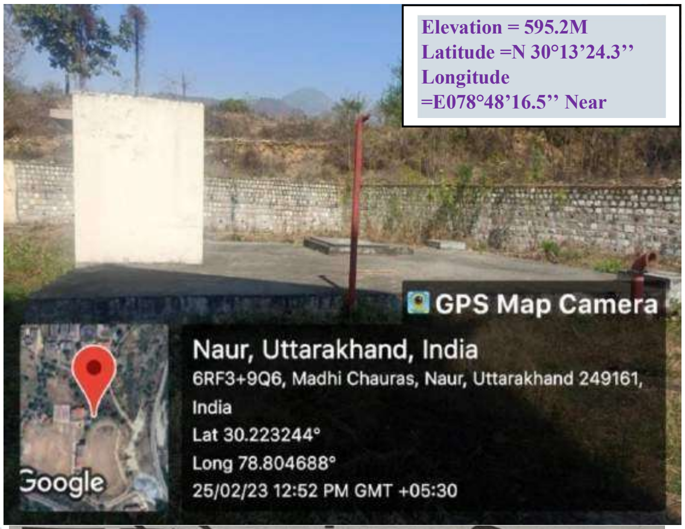

दस हेक्टेयर बंजर भूमि पर जंगल विकसित करेगा विवि

बिड़ला परिसर के पीछे है विश्वविद्यालय की दस हेक्टेयर जमीन

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: बिड़ला परिसर के ठीक पीछे की ओर बुघाणी रोड की पहाड़ी की तलहटी पर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से एक बहुपयोगी जंगल विकसित करने की कार्ययोजना तेजी से परवान चढ़ रही है। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल की विशेष पहल पर सालों से बंजर पड़ी विश्वविद्यालय की इस दस हेक्टेयर जमीन पर आने वाले दिनों में हराभरा जंगल भी होगा। औषधीय प्रजाति के पेड़ भी इस जंगल में लहलहाएंगे। शहर के लगभग मध्य में विकसित किए जा रहे इस जंगल से जहां श्रीनगर शहर का पर्यावरण बेहतर होगा वहीं जनता को सुबह और शाम घूमने के लिए स्वच्छ वातावरण भी उपलब्ध होगा। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी केंद्र हैप्रक संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. विजयकांत पुरोहित को इस कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाने का जिम्मा दिया है। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने इस जंगल को पार्क को भी आधार बनाने के निर्देश दिए हैं। जड़ी-बूटी दिवस पर बुधवार को ग्रीन कैंपस और शहर की अवधारणा को लेकर

बिड़ला परिसर के पीछे बुघाणी रोड की पहाड़ी की तलहटी पर जड़ी बूटी दिवस के अवसर पर गढ़वाल केंद्रीय विवि की ओर से आयोजित पौधारोपण अभियान में औषधीय पादपों का पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के शिक्षक और वैज्ञानिक • जागरण

कल्याण प्रो. पीएस राणा के मुख्य आतिथ्य में पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें अमरूद, रीठा, आंवला, हेड़ा, बहेड़ा, तेजपात प्रजाति के 50 से अधिक पौधों का भी रोपण किया गया। इससे पूर्व प्रथम चरण में भी इस भूमि पर नीम, पीपल, जामुन आदि के पेड़ों की पौध का रोपण किया जा चुका है। बुंधवार को पौधारोपण अभियान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पीएस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय की ग्रीन कैंपस की यह योजना आने

विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरके मैखुरी ने कहा कि यह बहुपयोगी जंगल विश्वविद्यालय की ओर से शहर के लिए एक नायाब तोहफा भी होगा। हैप्रक संस्थान के निदेशक प्रो. एमसी नौटियाल ने कहा कि स्वास्थ्य की दृष्टि से औषधीय पादपों का रोपण किया जाना भी जरूरी है। इस मौके पर उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष डा. डीके राणा, प्रो. आरसी सुंद्रियाल, प्रो. मुनेश कुमार, विवि के सिविल इंजीनियर महेश डोभाल, हैप्रक के वैज्ञानिक डा. विजयकांत पुरोहित,